USCIRF अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट

स्रोत: लाइव मिंट

हाल ही में भारत ने **अमेरिकी अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग (USCIRF)** की अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट को खारिज कर दिया और इसे राजनीतिक एजेंडे वाला पक्षपाती संगठन करार दिया।

USCIRF रिपोर्ट (2024) की मुख्य विशेषताएँ:

- रिपोर्ट में भारत को **"विशेष चिंता वाला देश" (Country of Particular Concern- CPC) के रूप में घोषित करने की मांग की गई।**
  - जो देश धार्मिक स्वतंत्रता का **योजनानुसार, निरंतर और गंभीर रूप से उल्लंघन करते हैं, उन्हें अमेरिकी विदेश विभाग** द्वारा CPC के रूप में नामित किया जाता है।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि निगरानी समूहों ने **व्यक्तियों की हत्या की, उन पर हमला किया और उन्हें पीट-पीटकर मार डाला,** जबकि धार्मिक नेताओं को अन्यायपूर्ण तरीके से गिरफ्तार किया गया तथा घरों एवं पूजा स्थलों को नष्ट कर दिया गया।
- इसने **नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019, समान नागरिक संहिता** और राज्य स्तरीय धर्मांतरण और गोहत्या विरोधी कानूनों की भी आलोचना की।

USCIRF: USCIRF एक अमेरिकी संघीय आयोग है जिसकी स्थापना वर्ष 1998 में अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत की गई थी, जिसके आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति और दोनों दलों के कॉन्ग्रेस नेताओं द्वारा की जाती है।

- **यह अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों** पर आधारित है, विशेष रूप से **मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा के अनुच्छेद 18 पर,** जो **धर्म की स्वतंत्रता सुनिश्चित करता है।**
- यह अमेरिका के अलावा अन्य देशों में **धर्म या विश्वास की स्वतंत्रता के** सार्वभौमिक अधिकार (FORB) की निगरानी करता है।

और पढ़ें: मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uscirf-international-religious-freedom-report